राम-रहीम और कालाटापू

DEVEL FROM HELL

DILIP KADAM STUDIO.

(डबल सीक्रेट एजेण्ट 00½ राम-रहीम)

राम-रहीम और काला टापू

लेखक : बिमल चटर्जी चित्रांकन : दिलीप कदम, हरिश्चन्द्र चव्हाण त्रिशूल कामिको आर्ट

अपने देश की समुद्री सीमा पर पहुंचने पर उन्हें सीक्रेट सर्विस का एक व्यक्ति एजेण्ट जीरो मिला।

यह है हमारा आधुनिकतम जलयान। यह पनडुब्बी का आकार भी ले सकता है। हम इसी के द्वारा काले टापू तक पहुंचेंगे।

हाय!
हिच!
खच्चाक!
कड़ाक!

उन्हें समाप्त करने के पश्चात् सुपर फाइव ने उनके टोप व मोटरसाइकिलें अपने कब्जे में ले लिए और उनकी लाशें समुद्र में फेंक दीं।

कुछ आगे बढ़ने पर उनका सामना एक और सैनिक से हुआ, जिसे उन्होंने अपने काबू में कर लिया।
बोलो, जो कुछ हम पूछेंगे, तुम उसका ज़वाब दोगे?
मैं तैयार हूं... मुझे मत मारो।
लेकिन उससे सारी जानकारी प्राप्त करने के पश्चात्...

...कमल ने उसकी गरदन की हड्डी तोड़कर उसे हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया।
अब इसकी लाश का क्या किया जाए?
उन झाड़ियों में छिपा दो।
प्यारे दोस्तो! यहां तक की कहानी आप मनोज कॉमिक्स के पिछले अंक "राम-रहीम और सुपर फाइव" में पढ़ चुके हैं। अब आगे पढ़ें।

कमल ने उस सैनिक को उठाकर झाड़ियों में डाल दिया।
लेकिन उसे झाड़ी में डालने से पहले रहीम ने उसका टोप उतार लिया था। साथ ही उसका परिचय-पत्र भी निकाल लिया था।

चलो, रहीम को भी टोप और मोटरसाइकिल मिल गई। अब सिर्फ मैं रह गया। आगे कोई शिकार मिलेगा तो मेरा भी काम हो जायेगा।

उसके बाद वे फिर आगे बढ़ चले।
राम भइया, जो विवरण उस गार्ड ने दिया, उसके अनुसार तो हमें दस मिनट में उस किले तक पहुंच जाना चाहिए।
हां, यदि मार्ग में कोई और रुकावट नहीं आई तो।

लेकिन पांच मिनट बाद एक जबरदस्त रुकावट फिर उनके सामने आई।
मिस्टर राम! वह देखो, एक सैनिक दस्ता हमारी ओर ही चला आ रहा है।

सब सावधान रहना। यह कोई विशेष ही दस्ता मालूम पड़ता है।

रुक जाओ।

सभी ने अपनी मोटरसाइकिलें रोक दीं।
अब सब अपनी मोटरसाइकिलों से नीचे उतरो।
ऐसा आदेश देने का मतलब?

क्या बकते हो? क्या तुम जीप पर लगे फ्लैग को देखकर भी नहीं जानते कि हम विशेष चैकिंग दस्ते से संबंधित हैं।
मारे गये। यह तो दूसरा ही चक्कर हो गया।

रहीम ने तुरंत कुछ समझदारी का प्रमाण दिया।
लेकिन श्रीमान! आप इतनी रात गये चैकिंग करने कैसे निकल पड़े? रात की ड्यूटी तो हमें सौंपी गई है।
तुम्हारा कहना सही है. लेकिन सूचना मिली है कि हमारे टापू में कुछ खतरनाक दुश्मन घुस आये हैं...

... इसलिए हमें हर गार्ड, हर सैनिक दस्ते व विशेष कमाण्डो तक को चैक करना है।
ओह!

चलो, अब जल्दी से ऑर्डर का पालन करो।
आदेश का पालन हो।

लेकिन इससे पहले कि रहीम अपनी मोटर-साइकिल से उतरता, राम बड़ी फुर्ती से मोटरसाइकिल से उतरकर अंधेरे में रेंग गया।

अपने परिचय-पत्र दिखाओ।

लीजिए!

ठीक है। अब तुम लोग अपने-अपने कोड नम्बर बताओ।
कोड नम्बर! मारे गये। इस तरफ तो हमने ध्यान ही नहीं दिया था।

रहीम का मस्तिष्क तेजी से दौड़ रहा था।
कुछ तो बोलना ही पड़ेगा, फिर जो होगा देखा जायेगा। जब ओखली में सर दे दिया है तो फिर मूसल का क्या डर!

सुपर वन!

और उसके साथ ही सब बारी-बारी से बोल उठे।
सुपर टू।
सुपर थ्री।
सुपर फोर।

सुपर फाइव।
सुपर सिक्स।
कोड भी सही है।
DEVIL FROM HELL

लगता है, तुक्का काम कर गया।

तुम लोगों को कौन से क्षेत्र का निरीक्षण कार्य सौंपा गया है?
पूर्वी क्षेत्र का।

ठीक है। अब तुम लोग अपने-अपने हेलमेट उतारो।
क्या SSS?

क्यों? क्या हुआ? तुम सब इतने परेशान क्यों हो उठे?
श्रीमान, यह तो सरासर हमारी बेइज्जती है।

सॉरी, इस समय मैं ड्यूटी पर हूं, इसलिए पूरी तसल्ली करूंगा। तुम सब अपने चेहरे दिखाओ।
नहीं। हम ऐसे गलत आदेश का कभी पालन नहीं करेंगे। हमें हर हालत में अपने चेहरे छिपाये रखने का ऑर्डर मिला है।

और मुझे टापू के एक-एक व्यक्ति को चैक करने का आदेश मिला है। चाहे वह व्यक्ति स्वयं महामहिम जिगाम्बो ही क्यों न हों।

सुनो, यदि तुम लोगों ने तुरंत ही अपने हेलमेट नहीं उतारे तो मैं फायरिंग करने का आदेश दे दूंगा। ड्यूटी इज ड्यूटी!
ठहरिए, जरा हम अपने हेड सुपर सेवन से इजाजत ले लें।

सुपर सेवन! कहां है वह?
ठहरिए, अभी सामने आयेगा।

सुपर सेवन, अगर तुम सुन रहे हो तो सलाह दो, क्या हम इन्हें अपना चेहरा दिखा दें।

नहीं...!

और उसके साथ राम ने शक्तिशाली दस्ती बम तीनों जीपों की ओर उछाल दिया।
धड़ाम!
हाय!
उफ!

ओह! धोखा।

फायर!

तुम सब जमीन पर लेटकर पोजीशन लेलो। जल्दी करो।

रहीम और उसके साथियों ने तुरंत जमीन पर गिरकर पोजीशन ले ली।
तड़... तड़... तड़...!
तड़... तड़...

तभी राम द्वारा फेंका गया दूसरा दस्ती बम सैनिकों के मध्य आकर फटा।

धड़ाम!
आई...ई...!
उफ!

और बाकी का रहा-सहा काम रहीम और उसके साथियों ने पूरा कर दिया।
फायर!
तड़... तड़... तड़...
ट्राट... ट्राट...
आह!
ई... ई... ई...!
हाय!

धमाकों और गोलियों की आवाज़ों से सब सजग हो चुके होंगे। अतः जल्दी से यहां से निकल चलो।
लेकिन राम भइया, क्या इस स्थिति में हमारा किले की ओर जाना उचित होगा?

नहीं, फिलहाल हम किले की ओर न जाकर छुपने के लिए किसी सुरक्षित स्थान की तलाश करेंगे।

अगले ही पल वे सब मोटरसाइकिलों पर सवार होकर पूर्व की ओर चल पड़े।

उधर टापू पर बने किले के भीतर धमाकों की आवाज गूंजते ही खतरे का सायरन बज उठा था।
टन... टन... टन...
पीईं... पीईं... ईं...

खतरे का सायरन बजते ही पूरे किले में भगदड़-सी मच गई।
पीं... ईं... ईं...
टन... टन... टन...

उधर किले के भीतर ही बनी एक शानदार इमारत के एक कमरे में—
जैक्सन! यह खतरे का सायरन कैसे बज रहा है?
महामहिम! अभी-अभी खबर मिली है कि कुछ दुश्मनों ने विशेष निरीक्षक दस्ते 'ग्रुप-फोर' को नष्ट कर दिया है और कहीं भाग खड़े हुए हैं। इसीलिए यह खतरे का सायरन बजाया गया है।
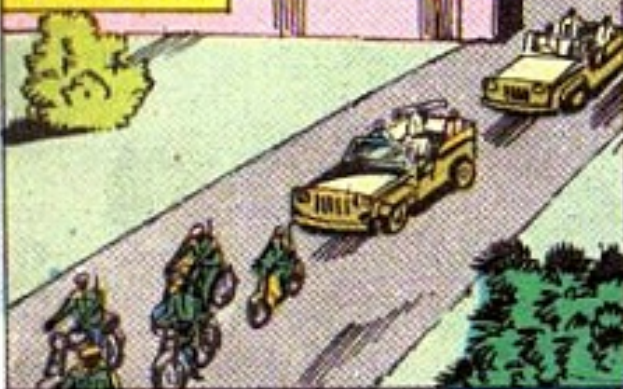
क्या बकते हो? दुश्मन हमारे टापू पर प्रवेश कैसे पा गये?
क्षमा चाहता हूं महामहिम! यह सब कुछ तट रक्षकों की लापरवाही के कारण हुआ है। यदि वे सजग होते तो दुश्मन हमारे टापू पर कदम भी नहीं रख पाते।

ओह! यह बहुत बुरा हुआ? जरूर दुश्मन हमारे स्टेशन को नष्ट करने आये होंगे। और यदि मेरा संदेह गलत नहीं है तो वे जरूर भारतीय ही होंगे।
हमारा भी यही विचार है महामहिम! फिर भारत के अलावा किसी को यह चेष्टा करने की जरूरत ही क्या है।

सुनो जैक्सन, तुम तुरंत रेडफोर्स को दुश्मनों की टोह में लगा दो। ध्यान रहे, दुश्मन न तो टापू से बचकर जाना चाहिए और न ही किले में प्रविष्ट होना चाहिए।
जो आज्ञा महामहिम! वैसे इस समय कंट्रोलरूम से टापू के चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जा रही है...
...हमारे विशेष उपग्रह और टापू में चारों तरफ लगे गुप्त कैमरों द्वारा टापू के एक-एक इंच की तस्वीर हमारे टी.वी. स्क्रीन पर प्रेषित कर रहे हैं और हमें विश्वास है कि दुश्मन जल्दी ही पकड़ लिए जायेंगे।
मुझे विश्वास है, ऐसा ही होगा। लेकिन फिर भी रेडफोर्स को उनकी तलाश में लगा दो तथा तटरक्षकों को सावधान कर दो।
बहुत अच्छा महामहिम।
कहकर जैक्सन वहां से चला गया।
जल्दी ही जैक्सन ने महामहिम जोगाम्बो का आदेश रेडफोर्स को प्रेषित कर दिया।
रेडफोर्स! महामहिम का आदेश है कि तुम लोग तुरंत अपने-अपने साधनों द्वारा पूरे टापू में फैल जाओ और दुश्मनों की तलाश करो।
ओह!

DEVIL FROM HELL

...जल्दी ही—
ओ माई गॉड! वह हमारा आदमी नहीं है। व... वह तो कोई भारतीय लगता है।

निःसंदेह अब यह पूरी तरह से तय हो गया है कि वह हमारे साथी नहीं, बल्कि दुश्मन हैं।
तब हमें तुरंत रेडफोर्स को इनकी पोजीशन बताकर उन्हें अलर्ट कर देना चाहिए।
जल्दी करो।

अगले ही पल—
हैलो रेडफोर्स, हैलो।

हैलो रेडफोर्स। हैलो-हैलो!

हैलो! मैं कंट्रोलरूम से जीरो फाइव काल कर रहा हूं। हैलो!

यस! रेड वन स्पीकिंग फ्रॉम रेडफोर्स। कहो, क्या बात है?

हमें दुश्मन का पता चल चुका है। वे छः मोटरसाइकिलों पर सवार हैं।
गुड! क्या पोज़ीशन है उनकी?

वे नार्थ की पहाड़ियों की ओर बढ़ रहे हैं। और उनकी संख्या सात है।

ठीक है! हम अभी उन्हें घेरते हैं।

अगले पल सभी जीप व मोटरसाइकिल सवारों सहित...

...लड़ाकू यानों का भी रुख नार्थ की पहाड़ियों की ओर घूम गया।

फिर शीघ्र ही–
सुनो जासूसो! तुम लोगों को हर तरफ से घेर लिया गया है। यदि अपने प्राणों की खैर चाहते हो तो तुरंत आत्म-समर्पण कर दो...

... वरना एक-एक के चिथड़े उड़ा दिये जायेंगे।

आखिर वही हुआ, जिसका मुझे डर था।
अब क्या करें राम भइया?

सब अपनी-अपनी गाड़ियां रोक लो।

सभी ने अपनी गाड़ियां रोक दीं–
लेकिन इस तरह रुकनेसे तो वे हमें तुरंत पकड़ लेंगे। या हो सकता है, हम भून ही दिये जायें।
हां मिस्टर राम! इस स्थिति में रुकना मौत को दावत देने के समान है।

मैं जानता हूं, लेकिन इस स्थिति में हमारा भाग निकलना भी असंभव है। हमें ऊपर-नीचे हर तरफ से घेर लिया गया है...

... यदि हमने उनके आदेश का पालन नहीं किया तो वे वैसे ही हमें मार डालेंगे।
फिर?

मेरे विचार से फिलहाल हमारा आत्म-समर्पण कर देना ही उचित होगा
क्याSSS?

यह तुम क्या कह रहे हो राम भइया? क्या हम चूहे की तरह डरकर हथियार डाल दें और मौत को गले लगा लें?
हां मिस्टर राम! बुजदिलों की तरह मरने से तो अच्छा है, हम बहादुरों की तरह लड़ते हुए मर जायें।

तुम लोग मुझे गलत समझ रहे हो साथियो! मैं मरने की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि जीते हुए अपने मिशन को कामयाब बनाने की बात कर रहा हूं।
हम कुछ समझे नहीं।

सुनो, इस स्थिति में यदि हमने भागने की सोची या मुकाबला करने की कोशिश की तो हो सकता है, हममें से कोई भी जीवित न बचे...

... और यदि हमने आत्म-समर्पण कर दिया तो हो सकता है, वे हमें मारने की बजाय बंदी बना लें...

... उस स्थिति में वे हमें बंदी बनाकर अपने किले में ही रखेंगे, जहां कि हमें स्वयं प्रवेश करना था। जबकि आप सब अच्छी तरह से जानते हैं कि आजादी की स्थिति में हम वहां आसानी से प्रवेश नहीं कर सकते...

...वरना एक-एक के चिथड़े उड़ा दिये जायेंगे।

आखिर वही हुआ, जिसका मुझे डर था।
अब क्या करें राम भइया?

सब अपनी-अपनी गाड़ियां रोक लो।

सभी ने अपनी गाड़ियां रोक दीं–
लेकिन इस तरह रुकने से तो वे हमें तुरंत पकड़ लेंगे। या हो सकता है, हम भून ही दिये जायें।
हां मिस्टर राम! इस स्थिति में रुकना मौत को दावत देने के समान है।

मैं जानता हूं, लेकिन इस स्थिति में हमारा भाग निकलना भी असंभव है। हमें ऊपर-नीचे हर तरफ से घेर लिया गया है...

...यदि हमने उनके आदेश का पालन नहीं किया तो वे वैसे ही हमें मार डालेंगे।
फिर?

मेरे विचार से फिलहाल हमारा आत्म-समर्पण कर देना ही उचित होगा
क्याSSS?

यह तुम क्या कह रहे हो राम भइया ? क्या हम चूहे की तरह डरकर हथियार डाल दें और मौत को गले लगा लें?
हां मिस्टर राम! बुजदिलों की तरह मरने से तो अच्छा है, हम बहादुरों की तरह लड़ते हुए मर जायें।

तुम लोग मुझे गलत समझ रहे हो साथियो! मैं मरने की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि जीते हुए अपने मिशन को कामयाब बनाने की बात कर रहा हूं।
हम कुछ समझे नहीं।

सुनो, इस स्थिति में यदि हमने भागने की सोची या मुकाबला करने की कोशिश की तो हो सकता है, हममें से कोई भी जीवित न बचे...

... और यदि हमने आत्म-समर्पण कर दिया तो हो सकता है, वे हमें मारने की बजाय बंदी बना लें...

... उस स्थिति में वे हमें बंदी बनाकर अपने किले में ही रखेंगे, जहां कि हमें स्वयं प्रवेश करना था। जबकि आप सब अच्छी तरह से जानते हैं कि आजादी की स्थिति में हम वहां आसानी से प्रवेश नहीं कर सकते...

...इसलिए मैं आत्म-समर्पण करने के लिए कह रहा हूं। बस, एक बार हम जिन्दा किले के भीतर पहुंच जायें, उसके बाद या तो हम होंगे या दुश्मन।
ओह!

सच राम भइया! यह तो तुमने बहुत दूर की सोची।
अब मैं मित्र राम के विचारों से सहमत हूं!
हम सब भी!

तो फिर मोटर-साइकिलों से उतरकर हथियार फेंक दो और हाथ ऊपर उठा लो। मैं रूमाल दिखाकर उन्हें आत्म-समर्पण करने का संकेत देता हूं।
ठीक है।

सब अपने शस्त्र इत्यादि फेंककर हाथ उठाकर खड़े हो गये और राम सफेद रूमाल निकालकर हवा में हिलाने लगा।

वो मारा! दुश्मनों ने हथियार डाल दिए।
गिरफ्तार कर लो उन्हें।

शीघ्र ही राम-रहीम और सुपर फाइव को गिरफ्तार कर लिया गया।
ले चलो इन्हें किले में।

और उन्हें किले के भीतर ले जाकर एक इमारत के भीतर कैद कर दिया गया।
महामहिम! सातों दुश्मन जासूसों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें सेन्टर नम्बर थ्री में बंद कर दिया गया है।
गुड! उन पर कड़ी निगरानी रखो। सुबह हम स्वयं उनसे पूछताछ करेंगे।
सुबह होने में सिर्फ एक घण्टा शेष बचा है। हमारे पकड़े जाने से सब निश्चिन्त हो चुके हैं। अतः हमें इस स्थिति का फायदा उठाते हुए तुरंत यहां से आजाद हो जाना होगा, ताकि सुबह होने तक हम इस टापू को समुद्र में गर्क कर दें।
परन्तु हमारे पास तो गोला-बारूद और कोई भी हथियार नहीं है। वक्त पड़ने पर हम दुश्मनों का मुकाबला कैसे कर सकेंगे?
हथियार भी प्राप्त हो जायेंगे, पहले हमें इस कैदखाने से बाहर निकलना है।
यहां से बाहर निकलना कोई ज्यादा मुश्किल काम नहीं है मिस्टर राम। यह दरवाजा उखाड़ फेंकना मेरे बाएं हाथ का काम है।

शाबाश! तो फिर देर मत करो। हमारे लिए एक-एक क्षण कीमती है।
अभी लो।

शक्तिशाली टैंजा, जो एक जीप जितना भार आसानी से उठा सकता था, उसने अपनी अथाह शक्ति का सदुपयोग किया।
या...ह!

अगले ही पल –
खड़ाक!

अरे! वो देखो, कैदियों ने दरवाजा तोड़ दिया।
फायर!

परन्तु इससे पहले कि कोई फायर कर पाता, टैंजा ने लोहे का दरवाजा उन पर फेंक मारा।
आह!
उफ!
हाय!

जल्दी से इनके हथियार अपने कब्जे में ले लो और निकल चलो।

धड़ाक!
ढिशुम!

भागो!

लेकिन अभी वे उस इमारत से बाहर भी नहीं निकल पाये थे कि-
अरे! कैदी फरार हो रहे हैं।
फायर!

तड़...तड़...तड़...
तड़...तड़...तड़...
ट्राट... ट्राट...।
हाय!
आह!
पलक झपकते ही उन सैनिकों की लाशें भी वहां बिछ गईं।

उन सैनिकों के हथियार भी बाकियों ने अपने कब्जे में ले लिये।
वह रहा मुख्य द्वार, निकल चलो।

जल्दी ही वे उस इमारत से बाहर निकल आये।
हमें यहां की मुख्य इमारतें नष्ट करनी हैं, जिनमें गोला-बारूद का भंडार व वह स्टेशन है, जहां से हमारे देश पर राकेट व मिसाइलों द्वारा आक्रमण किया जा सकता है।

परन्तु जिस इमारत में वे शरण लेने के लिए पहुंचे, उसमें भी सुरक्षाकर्मी मौजूद थे।

तड़... तड़... तड़...

धांय... धांय...

ट्राट... ट्राट... ट्राट...।

DEVEL FROM HELL

धांय... धांय...
तड़... तड़... तड़...!
आह!
उफ!

देखते-ही-देखते वहां मौजूद सभी सैनिकों की लाशें बिछ गईं।
आओ मेरे साथ। हो सकता है, इस इमारत से बाहर निकलने का कोई दूसरा दरवाजा भी हो।

एक स्थान पर –
राम भइया! वह देखो।

बारूद भण्डार
वाह! अब हमारा काम और आसान हो गया है।
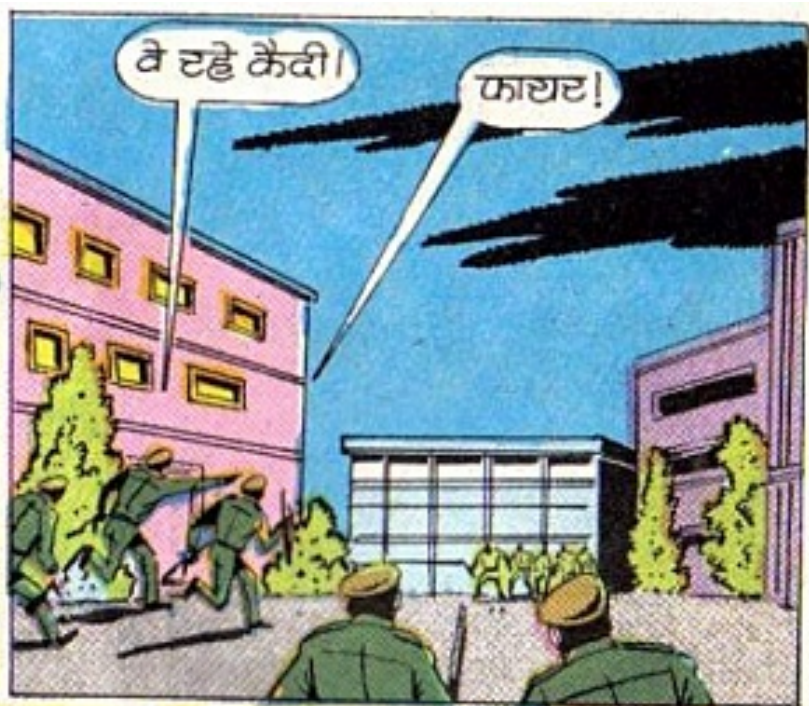
शक्तिशाली टैंजा की एक ही लात में दरवाज़ा टूटकर दूर जा गिरा और सब लोग भीतर प्रविष्ट हो गये।

तुरंत ही सब पेटियां खोल-खोलकर गोलियां व गोला-बारूद अपनी जेबों में भरने लगे।

तुरन्त सबने मिलकर कुछ टाइम बम एक घंटे का टाइम सेट करके वहीं फिट कर दिए।

उस कमरे में भी उन्होंने कुछ टाइम बम फिट कर दिए और इमारत के दूसरे द्वार से बाहर निकल आये।

अब हमें मुख्य इमारतों में टाइम बम फिट करने हैं।

तो चलो, इस सामने वाली इमारत से शुरू हो जाते हैं।

अब तक उनकी खोज-बीन बड़े जोरों-शोरों से होने लगी थी और कई बार उनकी मुठभेड़ दुश्मन सैनिकों से हो चुकी थी। लेकिन इस बार उनका सामना बहुत से सैनिकों से हुआ।

टैंजा-कमल! रॉकेट लांचर का प्रयोग करो।

वम्प
वम्प

धड़ाम!
धड़ाम!
ई...ई...ई...
आह!

इस तरह टाइम बम सेट करते हुए और मार्ग में पड़ने वाले दुश्मनों का सफाया करते हुए...
धड़ाम
भड़ाक!

...अंत में वे एक इमारत में प्रविष्ट हुए।
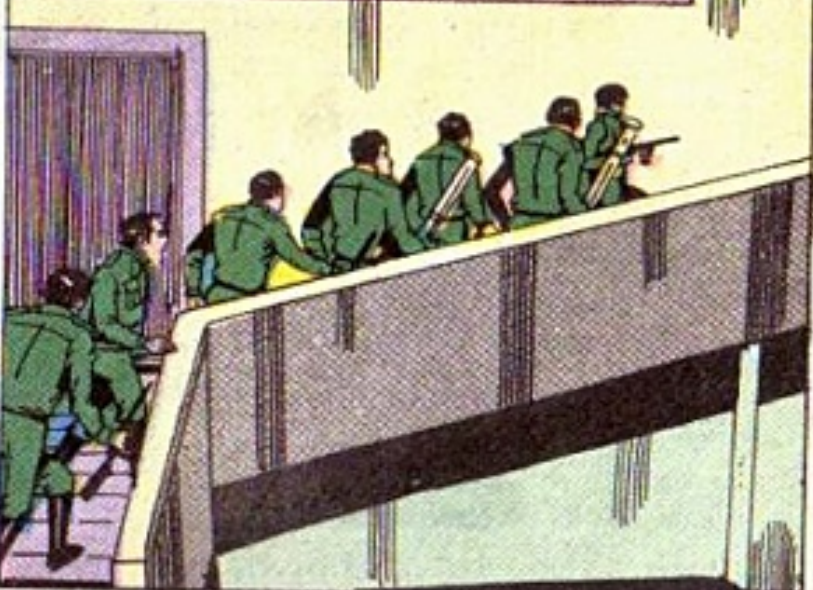
इसी इमारत की एक मंजिल पर—
मैं पूछता हूं, अभी तक वे पकड़े क्यों नहीं गये? क्या कर रहे हो तुम लोग?
महामहिम! उन्होंने हमारे शस्त्रागार से काफी गोला-बारूद व खतरनाक हथियार प्राप्त कर लिए हैं, इसलिए हमारे सैनिक उनका मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं।

DEVEL FROM HELL

त...तुम!
ओ नो!
चलो अच्छा हुआ, जो तुमने अपने दुश्मनों को पहचान लिया...

...वैसे यदि मेरा विचार गलत नहीं है तो तुम ही यहां के महामहिम जोगाम्बो हो।
हां!

लेकिन तुम यहां तक कैसे आ पहुंचे?
अपने पैरों से चलकर प्यारे ऊदबिलाव...

...और यहां हम तुम्हें यह बताने आये हैं कि तुम्हारा यह किला और टापू कुछ देर बाद समुद्र में गर्क होने वाला है।
नहीं, ऐसा नहीं हो सकता।

ऐसा होने में केवल कुछ ही मिनट शेष बचे हैं प्यारे! लेकिन अफसोस है कि ऐसा दिलचस्प नजारा अपनी आंखों से देखने के लिए तुम जिन्दा नहीं बचोगे।

कहने के साथ ही—
तड़...तड़...तड़...!
आह!
ई...ई...ई...!

अब समय बरबाद मत करो। जल्दी-से-जल्दी निकल चलो यहां से। हमें जल्द-से-जल्द यह टापू छोड़ देना है, वरना हम भी मारे जायेंगे।
चलो!

लेकिन जैसे ही वे उस कमरे से बाहर निकलकर एक तरफ गलियारे में बढ़े—
वे रहे!
भून डालो सबको!

तड़...तड़...तड़...!
धांय...धांय...!
पीछे हटो!

जवाबी फायरिंग करते हुए राम-रहीम आदि तेजी के साथ पीछे हटने लगे।
तड़...तड़...तड़...!
ट्राट...ट्राट...!

शीघ्र ही—
ओह! सीढ़ियां।

ऊपर चलो। छत पर चलकर ही हम दुश्मनों से निपटेंगे।

तड़... तड़... तड़...

और छत पर पहुंचते ही उन सबके चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे।
आहा! हैलीकॉप्टर!

जब तक मैं हैलीकॉप्टर को स्टार्ट न कर लूं, तुम लोग सैनिकों को ऊपर आने से रोके रखो।
ओ.के. मिस्टर राम!

राम हैलीकॉप्टर की ओर दौड़ पड़ा...

...और बाकी सभी ऊपर आते सैनिकों पर गोली-बारी करने लगे।
ट्रॉट...ट्रॉट...
धांय...धांय...
आह!
उफ!

राम को पायलट सीट पर पहुंचकर हैलीकॉप्टर स्टार्ट करने में कोई असुविधा नहीं हुई।
आ जाओ सब। जल्दी करो।

राम की आवाज सुनते ही सभी आनन-फानन में...
...हैलीकॉप्टर के भीतर पहुंच गये।

और शीघ्र ही—
अरे! दुश्मन भाग रहे हैं। हैलीकॉप्टर को मार गिराओ। फायर!

और जैसे ही हैलीकॉप्टर गोलियों की मार से बाहर निकला, सम्पूर्ण किला भयानक धमाकों के साथ आग की लपटों में घिर गया।

धड़ाम

धड़ाम!

DEVEL FROM HELL